



Cadaver Organ Donor Sukhabhai Rathod



ब्रेन डेड व्यक्ति ने आठ लोगों के दिया नया जन्म

जोकलेन रंगाकरणा

सप्त तेजशु पट्टशाली समाज के ब्रेनडेड विवाही गैरु गदुवान और हड्डपत्री समाज के ब्रेन डेड गुरुआ नरेला म रस्टोर के परिवार ने किडनी, लिंब, और चक्षुदान कर पानीला का महक फैलातर समाज की मरी दिखाई। दोनों लालंक तंत्रों के सहयोग से एक दिन में ही दो ब्रेनडेड परिवर्तीओं को यात्राकर 4 किडनी, 2 लिंब और 2 चक्षुओं का अंगादान बताया और 5 लोगों को नया निवास प्रदान किया गया। उन्हें ब्रेनडेड थोकित किया। दोनों किसी में दोनों लर्धक सम्भ और चिकित्सकों के शामाजाने जा गए। परिवार के सदस्य अंगदान के लिए तेजर हुए। ही ये ब्रेन डेड व्यक्ति जो को जब लीजन दिखा।

सुनहर्दान गोंधाल अस्पताल से ए उहाँ चिकित्सकोंने जान के बाद उके ब्रेन डेड थोकित किया था। इसमें घटना में गुम्भारे तस्ती और गौर के लोगों के स्थान परिवर्तन घटातांति के दर्शन के लिए गए थे। गांदू की सिद्धीक चढ़ते यस पर फिल्म जान से जे गोमधर चैलोश हो गए। परिवार के सदस्य उहाँ ओलगाह सानकरी अस्पताल से नया निवास अस्पताल से आए जहाँ चिकित्सकों ने उहाँ ब्रेनडेड थोकित किया। दोनों किसी में दोनों लर्धक सम्भ और चिकित्सकों के शामाजाने जा गए। परिवार के सदस्य अंगदान के लिए तेजर हुए। ही ये ब्रेन डेड व्यक्ति जो को जब लीजन दिखा।

"जाहानीगे रत्नदान दिग्गजके गृत्युगाद(ब्रेनडेड) किडनी, लिंब और हृदयदान . . . "

दो के अंगदान से 5 को नया जीवन न्यू सिविल अस्पताल ने आंख का दान स्वीकारा

पत्रिका न्यूज़ ब्रेटर्क

patrika.com

सुरत लिम्बायत कैलाशनगर सेमियटी निवासी एक महिला को ब्रेन डेड घोषित किए जाने के बाद उसके परिजनों ने अंगदान करने का निर्णय किया। इससे पच जनों को नई जिंदगी मिली है।

सिद्धमा सैलु गढ़वाल (58) मूल रूप से तेलंगाना के बारंगल जिले के रगापुर गांव की निवासी थीं। वह दो बेटों रवि और किरण के साथ सूरत में रहती थीं। 5 जून को सुबह उसने बेटों को ब्राताया कि उसे चक्कर आ रहे हैं बाद में वह बेहोश हो गई। परिजन इसे स्मर्मिर अस्पताल ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सनशाइन स्लोकल अस्पताल ले जाया गया। सीटों स्कैन में सिर में रक्त की गाठ होने की जानकारी पिली। छह जून को उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। डोनेट लाइफ प्रमुख नीलेश नांडलेवाला और उनकी टीम अस्पताल पहुंची तथा दोनों मृतकों के परिजनों को अंगदान के बारे में जानकारी दी। दोनों परिवर्त से स्वीकृति मिलने के बाद माइलेवाला ने अहमदाबाद के अँडेकेंटीआरसी की ट्रांसलाइ



हलपतिवास निवासी सुखा नरोत्तम गढ़ौड़ (55) एक जून को पत्नी सुमन तथा गांव के लोगों के साथ पावागढ़ माताजी के दर्शन करने गया था। मंदिर की सीढियों से गिरकर वह घायल हो गया। उसे न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया। सोटी स्कैन में उसके सिर में भोखत की गाठ होने की जानकारी मिली। छह जून को उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। डोनेट लाइफ प्रमुख नीलेश नांडलेवाला और उनकी टीम अस्पताल पहुंची तथा दोनों मृतकों के परिजनों को अंगदान के बारे में जानकारी दी। दोनों परिवर्त से स्वीकृति मिलने के बाद माइलेवाला ने अहमदाबाद के अँडेकेंटीआरसी की ट्रांसलाइ

कोंडिनेटर प्रिया शाह और डॉ. प्राज्ञल मोदी को किडनी तथा लीवर का दान स्वीकार करने के लिए बुला लिया। डॉ. मोदी की टीम ने चार किडनी और दो लीवर का दान न्यू सिविल अस्पताल के आंख विभाग ने स्वीकारा। दान में मिली चार किडनी में से दो अहमदाबाद निवासी हरेश गोविंद सालुके (60), तीसरे बड़ोदरा निवासी जयकृष्ण पट्ट्या (24) और चौथी बजसाड निवासी जीनलभाई दारासिंगभाई पटेल (21) में ट्रांसलाइट की गई। दो लीवर में से एक अहमदाबाद निवासी पारस चीनु जानी (45) और दूसरा गजकोट निवासी बकुल नीलम वैष्णव (52) में ट्रांसलाइट किया गया। अब तक डोनेट लाइफ ने 199 किडनी, 76 लीवर, 5 पेन्कीयाज, 11 हृदय और 176 चक्षुओं का दान लेकर करीब 465 लोगों को नया जीवन दिया है।

रोड से आए तो 5 घंटे लगे अंगदान में, अब एयरएंबुलेंस का आधा खर्च देगी सरकार

तेलुगु समाज की सिद्धमा और हलपति समाज के सुखाभाई के अंग हुए दान

भास्कर इमोर्ट



देल्ही रिपोर्ट | सूत

एक युवक और एक युवती के ब्रेनडेड होने पर चुधवार को उनके परिजनों ने अंगदान कर दिए। हालांकि ऑर्गन लेने के लिए डॉक्टरों की टीम को अहमदाबाद से सड़क के रास्ते आने में पांच घंटे से ज्यादा लग गए। इधर, अब प्रदेश के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने घोषणा कर दी है कि अंगदान के लिए कोई एयरएंबुलेंस जाएगी तो उसका

मुंबई से एंबुलेंस बुलाने पर अभी 60 हजार आता है खर्च

सूत में नहीं है एयर एंबुलेंस

अब तक सूत में किर्दों और उस्ताल के पास एयर एंबुलेंस नहीं है। हलांकि गार्डियारों के फिरण अस्पताल में यह सेवा एक साल बाद शुरू हो जाएगी। फिलहाल यहां हेलीपैड बनाकर तैयार हैं।

4 किडनी, 2 लिवर, 4 कॉर्निया मिले

58 वर्षीय सिद्धमा को अचानक सिल्वर हुआ और फिर ब्लॉश हो गई। स्मीमर के बाद जिजी अस्पताल ले गए। वहां ब्रेन डेर्म बता दिया। मंडरोई के सुखाभाई सीदिया चाढ़ते थका गिर गए और सिर में चोट लगी। उन्हें ब्रेनडेर्म घोषित कर दिया।

आधा खर्च सरकार वहन करेगी। इससे अंगदान को बढ़ावा तो मिलेगा ही, कम समय में अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया पूरी की जा सकेगी। गांव दिन पहले दो जून को एक आदिवासी युवक के ब्रेनडेड होने पर जब ऑर्गन डोनेशन की प्रक्रिया शुरू हुई तो एयरएंबुलेंस नहीं मिल पाने

के कारण ही दो घंटे लेट हुए थे। हालांकि रात डेह बजे मुंबई से एयर एंबुलेंस मांगकर ऑर्गन डोनेट हुआ था। तब भास्कर ने “11 हार्ट डोनेट कर चुके सूत में एयर एंबुलेंस नहीं होने के चलते दो घंटे अटका रहा ट्रांसप्लांट शीर्षक से खबर प्रकाशित कर समस्या डजागर की थी।”

એક જ દિવસે બે ખ્રેદીનાડે વ્યક્તિના
અંગદાનથી આઠ લોકોને નવજીવન અપાયું

ଲେ ଯୁକ୍ତିବାଣୀ

પારિવારણાનોરો ચાર
કિડની, બે લીવર આને
બે રાખ્યુથોળું દાન કરી
માનવતીની મહેક કેલાવી

सुनतः शहदमां अंक डेस्ट्रो फैटेन्स
जाह्येन कर येता ने व्यक्तिगता परिवारकांना
वरना अंग नुसार करी नवा आक लोणेना
हिंडगी असायो ते. अने पुरुषांच्याज्ञाना प्रदाय
याच दिला, आंतराल अनो बे असुरुचीनु
पान दोनेत दाखिल करून दुर्घाष्य झार.

ପ୍ରିଯଦର୍ଶ ନାଥ କେନ୍ଦ୍ରଲାଭ ମିଳାଟିକି ମୁଖ୍ୟମାନ ଆଜି ଏହି ଲେଖଣିଶୀଳତା ପାଇବାର
ନିଷ୍ଠାମା କେବାର ବିନାନା ବାବା ଏହି
ପରିମା କିମ୍ବା କିମ୍ବା ବ୍ୟକ୍ତିଗତ ବଳ ମୋକ୍ଷରେ
ପରିଚାର ପାଇନା ଏହି ପ୍ରକୃତି କିମ୍ବା କିମ୍ବା ମଧ୍ୟରେ
କାହାର ହୃଦୟାବଳୀ ଆଜି ଯକ୍ଷର ଆପାଵାନ
କିମ୍ବା କିମ୍ବା ଅନେ ପୂର୍ଣ୍ଣ କିମ୍ବା କିମ୍ବା ମେ
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

जीवनाम् तत्त्वानि जेत्यन्मया पक्षा अप्य
इति एव चिरिदं गुणाभावं नदेत्यत्त्वं अप्य
रात्रिं च ता । तु ये इति भैरवी च ॥
शुभमनेन अन्ते अपाप्नय अन्त सत्यं आदि
पापागतं भावाक्षराणां उपेन मात्रं यथा तस्मा
द्वितीयं द्वितीयं सा अपाप्नय मात्रं तद्वा
अप्य तत्त्वानि त्यग्य अपरद्वयं विहीना तदनु
ओपरद्वया लोटं भावाग्याद्वयं अपाप्नय
शुभमनेन अपेन्द्रेण आदित्यं तस्मा तदा
लिपित्वा तत्पौरोऽग्नेन शारदीना प्राप्नु
नित्यं भावाग्याद्वयानि त्यग्य तत्त्वं तदनु
परद्वयानो तद्वयं अपाप्नय अपाप्नयोनि
शमज्ज्वलां तद्वयां पक्षा शुभाभावाना अं
गोदं ह इत्यत्त्वं अपेन्द्रं द्वितीयं

સુરતના બે વ્યક્તિના અંગદાનથી આઈ
વ્યક્તિને નવજીવન અને રોશાની મળી

卷之三

ପ୍ରକାଶ, ଖୁବିଦୀର

સુરતમાં તેવી જગત અને હજાપત્રી સભાજળાની મેન્ટને આ વિકિનોનો કાણના, બાદ, ચાહુણાની આ વિકિનોને પારવાન અને રોણી ગોડી કુલનાની અધ્યાત્મુની એટાની, તે કીનેનું તાત એનીઓ વિકિનોના પરિવાર તરફથી રાખ્યું છે.

તેલુગુ સમાજના પ્રોત્સાહિકમાં ગડુદાસ અને હળપતિ સમાજના સુખાભાઈ રાડોડને બ્રેઠનકેડ જાહેર કરાયા બાદ પરિવારે અંગદાન કર્યું

१८५४ वर्षात् यसे शिवाया
मानवों द्वारा प्रयत्न किया गया था।

ପ୍ରାଚୀ ନାମରେ ହାତକୁଳା ନାମରେ ଯା
ଦୂର ଦୟାପିଲା, କାହା ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ
ପଦ ଦୟା ଦୟାପାରି ନାମରେ ଯାଏ
... ଏ ଦୂର ଦୟାପିଲା ଦୟା କିମ୍ବା ଦୟାପାରି
ଦୟା ଦୟା ଦୟାପାରି ନାମରେ ଯାଏ
ଦୟା ଦୟା ଦୟାପାରି ନାମରେ ଯାଏ



ମୁଖ୍ୟମାନ କରିବାରେ ଏହାକୁ ଆପଣ କୁଳାଙ୍ଗ
ନାମ R. [ରାଜମାନ] ଦିଲ୍ଲିଯାରୁ ଦେଇ ଥିଲା । ଏହାକୁ
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା
କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

સુરતના બે આધેડ વ્યક્તિઓના અંગાદાનથી આઈને મળ્યું નવજીવન

બેમાંથી એકનું
લીવર રાજકોટ
ટ્રાન્સપ્લાન્ટ થયું

સુરત તા. ૭: તેલગાણાંથી પરિવાર સાથે સુરતા આવીનો વસેલાં બેઈનડેડ સિધ્યમાં સેલ્ફુ ગ્રૂપાસનાં અંગોનાં દાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે. આ સાથે જ શહેરનાં બીજી ઓક બેઈનડેડ વયોવૃષ્ટ સુખભાઈ નરોતમભાઈ ચાડોઝનાં અંગોનાં દાનથી ચાર વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું છે.

પ્રથમ સિધ્યમાંની તથીયત ગત પણી જુને પગડતા તેમનાં પરિવારના લોકોને વાત્કાલિક હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યા હતાં. જ્યાં ઉપસ્થિત તથીબોંને તેમનો ઉપચાર કર્યા બાદ સિધ્યમાંનાં બેઈનડેડ ઝાંદેર કર્યો હતાં. હોસ્પિટલનાં ઉપસ્થિત તથીબોંને ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાનો સંપર્ક કરતાં પ્રમુખ નિલેશભાઈ માર્ટેલવાળા તેમની ટીમ સાથે આવી પહોંચ્યા હતાં.

ઘેતરમાં ખોતમજૂરીનું કામ



કરતાં પણ વખીય સુખાળાઈ દાનગાં ગણેલી ચાર કીડિનીઓ નરોતમભાઈ પટેન પરિવારનાં અન્ય લોકો સાથે પાવગણાં અવારે ગયા હતાં. જ્યાં પર્વત ચક્કાં વખતે સુખાળાઈનો પગ લાપસી જતાં તેમને માચાનાં ભાગો ગંભીર ઈજા પહોંચી હતી. નશ્શકની હોસ્પિટલમાં પ્રાયમિક ચારવાર આપ્યા બાદ શહેરની લોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતાં. જ્યાં તેમને ઉપસ્થિત ડોક્ટરોની ટીમે બેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતાં. બન્ને બેઈનડેડ વયોવૃષ્ટનાં અંગોનાં દાનથી આડ વ્યક્તિનાં જવનગાં પ્રકાશ કેલાયો છે.

દાનગાં ગણેલી ચાર કીડિનીઓ પેકી બે કીડિની અમદાવાદના રહેવાસી હરેશભાઈ જોવિંદભાઈ આજુકે, બીજી કીડિની વડોદરાનાં રહેવાસી જ્યદૂષા પંદ્યા અને ચોથી કીડિની વલચાડા રહેવાસી જનલભાઈ દારાસિંગભાઈ પટેલનાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવી હતી. બે કીવર પેકી ઓક કીવર અમદાવાદના રહેવાસી પારશ ચીનુભાઈ જાની અને બીજી કીવર રાજકોટના રહેવાસી બજુલ વેણુવામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

Press Report Of Various Newspaper on Organ Donation Activities



ਜੇਹਾ ਟਿ-ਸਮਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰੇਜ਼ੈਂਟ ਅਤਿਕਰਮ ਕਰਨ ਲੋਨੇ ਕਿਉਂ ਕਰੋ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਜਾਣ੍ਹੂ ਚੁਪੈ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸੱਭਾ ਵਿਖੇ ਆਉਣਾ। ਇਹ ਅਗਲੀ ਜੁਰਾ ਥਾਵੇਂਹੀ ਨਹੀਂ ਹੈ ਕਿ ਅਧਿਕਾਰੀਆਂ ਦੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸਮਾਂ ਦੇ ਪ੍ਰੇਜ਼ੈਂਟ ਅਤਿਕਰਮ ਦੇ ਕਿਉਂ ਕਰੋ ਕਿ ਤੁਹਾਨੂੰ ਜਾਣ੍ਹੂ ਚੁਪੈ ਕਿਸੇ ਵੀ ਸੱਭਾ ਵਿਖੇ ਆਉਣਾ।



સુરતના બે રહીશોના અંગદાનથી
આઈ વ્યક્તિને મળ્યું નવજીવન

૭ વાંદરાના તેલુગુ અને
ઓલપાડાના હિન્દુપણે
પટિવારની આગૃહિત
સમાજ માટે દુનિયારૂપ

ପ୍ରମାଣିତ ହେଉଥିଲା ଏହାର ଅନ୍ତର୍ଭାବରେ ପରିଚାରିତ ହେଲା।

मूर लंगेवाला बर्गेवाला पारी
जो अब भैरवा भारी
उड़ियालाला रहे, उड़िया सु
प्राप्त उड़ियाले जो या पर्वत
भारी भारी दुखो जो या
जो या या या या या या

"जयानीमें रत्नदान दिग्गजके मृत्युवाद(ब्रैंडनडे) फ़िडनी, लिवर और हृदयदान . . ."

એક જ દિવસમાં બે બ્રેઇન ટેક્સ્ટ્યુક્ટના અંગદાન�ી ૮ યક્ષિતઓને નવુ જીવન અને રોશની મળી

ડોનેટ લાઈફ દ્વારા તેલુગુ પદ્મશાળી સમાજના અને હળપતિ સમાજના બ્રેઇન ટેક્સ્ટ્યુક્ટના યક્ષિતઓની ૪ કિડની, ૨ લીવર અને ૨ ચક્કુઓનું દાન મેળવાયું

સુરત તા. ૭ અંગદાન કેને ઉમદા કર્યે કરતી ભસ્યા ડોનેટ લાઈફ દ્વારા એકજ દિવસમાં બે બ્રેઇન ટેક્સ્ટ્યુક્ટના યક્ષિતઓને ૪ કિડનીનો સાથે સમજાણ કેળવીને ૪ કિડની, ૨ લીવર અને ૨ ચક્કુઓનું દાન મેળવી ૮ યક્ષિતઓને નવુ જીવન અને રોશની જીવામાં આવી છી. ડોનેટ લાઈફના નિબેશ માંડલેવાદા અને ની ટીમ દ્વારા આ ઉમદા કર્યે કરવામાં આવ્યું છુટુ.

અ. અંગેની મળતી વિગતો અનુસાર મૂળ તેલેંગાણના ચારાંગલ જિલ્લાના રેગાપુર જામના રિઝગ્રામ સેલુ ગૃહદાસ (૩. વ. ૫૮) દાદ પણ, કેવાશનગર સોસાયટી-૨, પોઠદર, નહેર પસે, આસપાસ ખાતે રહેતા છતા. એસ. કે. નગર સોસાયટીમાં આવેલ વિવિધ ખાતામાં બુઝું કારીગર તરીકે કામ કરતા સિદ્ધમાંથી ૫ જૂને સવારે ઉદ્ઘીને માધ્યમાં હૃદયથોડાને ચક્કર આવવાની ફરિયાદ ભાઈ નેહંશ યાં જતા તેમને સ્વીમેર હોસ્પિટલમાં પ્રાથમિક સારવાર આપી રહેતા હતી. બ્રેઇન ટેક્સ્ટ્યુક્ટને ૫ જૂને રહેતું હતું.

આ બેને કેસની વિગતો ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નીડેશ માંડલેવાદાને મળતા તેમણે ટીમ સાથે હોસ્પિટલ પહોંચી બંનેના પરિવારજનોને અંગદાનની પ્રવૃત્તિની જાહેરી આપી અંગદાનનું મંડલ સમજાવતા પરિવારજનો તરફથી અંગદાનની સંમતિ મળી છતી.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી ચાર કિડનીઓ એકી બે કિડની અમદાવાદના રહેવાસી હેદેશ વીવિદભાઈ ચાંદું (૩. વ. ૬૦), ત્રીજી કિડની વરોદરના રહેવાસી જ્યાંકુણ પંસા (૩. વ. ૨૪) અને ચાર્થી કિડની વલસાડના રહેવાસી છન્દલ દારાસિંગભાઈ પટેલ (૩. વ. ૨૧)માં ટ્રાન્સલાન્ડ કરવામાં આવી રહે. જ્યારે બે લીવર પેડી નેક લીવર અમદાવાદના રહેવાસી પારસ ચીનુલાઈ જાની (૩. વ. ૪૫) અને બીજું લીવર રાજકોટના રહેવાસી બાકુલ નીલગણાઈ વેણ્ણવ (૩. વ. ૫૮)માં ટ્રાન્સલાન્ડ કરવામાં આવ્યું છે.

સુરત અને દાંબિશી ગુજરાતમાંથી અન્યાર સુવી બ્રેઇન ટેક્સ્ટ્યુક્ટના પરિવારજનો સાથે સમજાડું કેળવી નીલેશ માંડલેવાદા અને ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૧૯૮ કિડની, ૭૬ લીવર, ૫ પેન્ડીઅસ, ૧૧ હૃદય અને ૧૩૬ ચક્કુઓનું દાન મેળવીને ૪૬૫ યક્ષિતઓને નનું જીવન અને નવી રોશની જીવવામાં સહિત મળી છે.